



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 7]
No 7]

नई दिल्ली, सन्निवार, फरवरी 16, 1974 (साध 27, 1393)
NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 16, 1974 (MAGHA 27, 1895)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 (PART III—SECTION 1)

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 जनवरी, 1974

सं० ए० 32013/1/74-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा मंडर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थाई अधिकारी श्री आर० आर० अहीर को राष्ट्रपति द्वारा 6-12-1973 से 5-3-1974 तक 3 महीने की अवधि के लिए अथवा किसी नियमित अधिकारी के आने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/1/73-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा मंडर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थाई अधिकारी श्री सी० आर० आनन्द को, राष्ट्रपति द्वारा 5-11-1973 से 4-2-1974 तक 3 मास की अवधि के लिए अथवा नियमित अधिकारी के कार्यभार संभालने तक जो भी पहले हो उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० भागवत, अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011 दिनांक 31 जनवरी 1974

सं० ए० 32013/1/74-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा मंडर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थाई अधिकारी कुमारी एस०टी० केसवानी ने, जिन्हें हम कार्यालय

के अधिसूचना सं० ए० 32013/1/74-प्रशा०-I दिनांक 15 अक्टूबर, 1973 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 1 दिसम्बर, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद कुमारी एस० टी० केसवानी ने 1 दिसम्बर, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए० 32013/1/74-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा मंडर्ग के चयन ग्रेड के स्थाई अधिकारी श्री बी० बी० मेहरा ने, जिन्हें हम कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/73-प्रशा०-I, दिनांक 5-12-1973 द्वारा केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 2 जनवरी, 1974 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री बी० बी० मेहरा ने 2 जनवरी, 1974 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में (के० म० स्टे० सेवा का चयन ग्रेड) निजी सचिव के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एम० आर० भागवत, अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय
(कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

श्री० व्ही० दिघे
अवर सचिव
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1974

सं० 4/3/73-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा निम्नलिखित प्रतिनियुक्त निरीक्षकों को, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में उनके नाम के सम्मुख दी गई तिथियों से अगले आदेश तक के लिए, अस्थायी रूप से पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं० नाम राज्य जिससे प्रति- पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्ति पर है। नियुक्त होने की तिथि

1. श्री ओम् प्रकाश	हरियाणा	4-1-74 (अपराह्न)
2. श्री के० के० शर्मा	पंजाब	9-1-74 (पूर्वाह्न)
3. श्री के० सत्यनारायण	आंध्र प्रदेश	11-1-74 (अपराह्न)

दिनांक 5 फरवरी 1974

सं० पी० एफ०/ए० 3/73-प्रशा०-5—श्री ए० राजामोहन, पुलिस अधीक्षक, सामान्य अपराध स्कंध, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो मद्रास ने दिनांक 16 जनवरी, 1974 के पूर्वाह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया तथा 16 जनवरी, 1974 के पूर्वाह्न में पुलिस अधीक्षक, आर्थिक अपराध स्कंध, विशेष पुलिस स्थापना, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मद्रास के पद का कार्यभार संभाला।

गुलजारी लाल अग्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1974

सं० 2/7/73-प्रशा०—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद द्वारा श्री एम० के० वासुदेवन, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के सलेक्शन ग्रेड के अधिकारी, को 25 जनवरी, 1974 पूर्वाह्न से अगले आदेश तक केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन्न रूप से विभागीय जांच आयुक्त नियुक्त करते हैं।

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व कार्यालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 5 फरवरी, 1974

सं० प्रशासन 1/5-5/प्रमोशन/70-74/2790—श्रीमान महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री जे० एन० चोपड़ा को लेखाधिकारी के पद पर संशोधित वेतनमान रु० 840-1200 में दिनांक 25-1-1974 (अपराह्न) से स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्र०)

कार्यालय महालेखापाल, केरल

तिरुवनन्तपुरम्, दिनांक 4 फरवरी 1974

सं० सिब्बन्दी/अ/IV/9-86/348—महालेखापाल केरल निम्नलिखित स्थाई अनुभाग अधिकारियों (लेखा-परीक्षा तथा लेखा) को, प्रत्येक के आगे सूचित किए गए दिनांक से, स्थानापन्न लेखा अधिकारियों के पद में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

1. श्री एन० माधवन नायर	1-2-1974 (अपराह्न)
2. श्री सि० सि० एसक	4-2-1974 ,,
3. श्री के० पि० रामकुरुप	1-2-1974 पूर्वाह्न
4. श्री आर० नीलकंठन नायर	1-2-1974 ,,
5. श्री के० वि० मत्ताई	2-2-1974 ,,
6. श्रीमती एस राजाम्माल	4-2-1974 अपराह्न

कृ० गणे
उप-महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय मुख्य लेखा परीक्षक
दक्षिण पूर्व रेलवे

कलकत्ता-700043, दिनांक 5 फरवरी 1974

श्री एस० वी० पी० भास्कर राव, जो मुख्य लेखा परीक्षक, दक्षिण पूर्व रेलवे-कलकत्ता के कार्यालय में अधीनस्थ रेलवे लेखा-परीक्षा सेवा के एक स्थाई सदस्य हैं, को दिनांक 16 नवम्बर, 1973 (अपराह्न) से लेखा-परीक्षा अधिकारी के रूप में अस्थायी तौर पर अगले आदेशों तक पदोन्नत किया गया है।

एच० एस० सामुएल,
मुख्य लेखा परीक्षक

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

फलकत्ता-13, दिनांक 25 जनवरी 1974

सं० 2222(एस०के०एम०)/19ए०—श्री स्वपन कुमार मुखोपाध्याय को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 350 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 350-25-500-30-590-द०रो०-30-800-द० रो०-30-830-35 900 रु० के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश आने तक, 30-11-1973 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया गया है।

सं० 40/59/सी०/19ए०(पी०)—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री शैलेन्द्र नाथ राय को सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800 रु० के वेतनमान में तदर्थ आधार पर, आगामी आदेश दिए जाने तक, 10-12-1973 (पूर्वाह्न) से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 30 जनवरी 1974

सं० —भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नोक्त वरिष्ठ तकनीकी सहायको (भूभौतिकी) की सहायक भूभौतिकी-विदों के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 350-25-500-30-590-ई० बी०-30-800-ई० बी०-30-830-35-900/- रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में आगामी आदेश आने तक, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है:—

क्र०सं०	नाम	नियुक्ति-तिथि
1.	श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह	2-11-1973 (पूर्वाह्न)
2.	श्री अश्वनी कुमार	12-11-1973 (पूर्वाह्न)

सं० 2339(ए० बी०)/19बी०—श्री आलोक बागची, एम० एस० सी० को सहायक भूभौतिकीविद के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 350 रु० के मासिक के प्रारम्भिक वेतन पर 350-25-500-30-590-द०रो०-30-800-द०रो०-30-830-35-900 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश दिए जाने तक, 22 नवम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

एम० के० राय चौधरी,
महा-निदेशक

कार्यालय, महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 5 फरवरी, 1974

सं० ए०-32013/4/73-ई०सी०—राष्ट्रपति ने श्री बी० एन० शर्मन, वरिष्ठ संचार अधिकारी को 28-6-1973 पूर्वाह्न से अगले आदेश जारी होने तक महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक संचार के पद पर नियुक्त किया है।

2. राष्ट्रपति ने श्री बी० एन० शर्मन को 11-1-1974 से अगले आदेश जारी होने तक महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय, नई दिल्ली में, स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में भी नियुक्त किया है।

एम० जी० थामस,
निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1974

सं० 1/93/69प्रशा०-4—राष्ट्रपति, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के स्थाई वास्तुक श्री बी० एस० गाड़बोले को इसी विभाग में 1300-60-1600-100-1800 रु० के वेतनमान में तदर्थ आधार पर 11-1-1974 (अपराह्न) से स्थानापन्न वरिष्ठ वास्तुक नियुक्त करते हैं।

भगवत प्रसाद पाठक,
प्रशासन उप निदेशक

इन्टेग्रेटल कोष फंडी

मद्रास-38, दिनांक 30 जनवरी 1974

सं० पी० बी०/जी० जी०/9/मिस०/II—श्री जी० एस० विठ्ठल राव, स्थानापन्न उप-मुख्य यांत्रिक इंजीनियर की पदोन्नति क० प्र० से ग्रेड 1 ए० को यांत्रिक अधीक्षक (कर्मशालाएं)/अभिकल्प के रूप में दिनांक 1-7-73 से 29-8-73 तक जैसा कि इस कार्यालय के पृष्ठांकन, समसंख्या, दिनांक 15-9-73 के क्रमसंख्या 2 में सूचना भेजी गई है—रद्द किया गया है। उक्त अवधि में यांत्रिक अधीक्षक (कर्मशालाएं)/अभिकल्प ग्रेड I ए० का पद क० प्र० ग्रेड में चलाया गया है और श्री जी० एस० विठ्ठल राव को यांत्रिक अधीक्षक (कर्मशालाएं)/अभिकल्प के पद के खिलाफ स्थानापन्न उप-मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/अभिकल्प (क० प्र०) के पद पर तैनात किया गया है।

श्री जी० राजु, सहायक लेखा अधिकारी/सी० ए० एस० (श्रेणी II) को तदर्थ रूप से वरिष्ठमान में स्थानापन्न रूप से

काम करने दिनांक 13-12-1973 से सहायक लेखा अधिकारी/सी० ए० एस० जिस पद को रेलवे बोर्ड के पत्र सं० 73 ई० (जी० सी०) 12-21 दिनांक 6-12-73 के अनुसार वरिष्ठ मान में बढ़ाया गया है के खिलाफ वरिष्ठ लेखा अधिकारी के रूप में पदोन्नति की गई है।

श्री एल० जी० श्रीनिवासन, स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी/सी० बी० एस० (श्रेणी II) तदर्थ को दिनांक 22-12-73 के अपराह्न से श्रेणी III सेवा को रिवर्ट किया गया है।

सी० एम० गोविन्द राजुल,
वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी
कुते महाप्रबन्धक

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय
कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445 (2) के अधीन
सूचना ।

कटक, दिनांक 2 फरवरी 1974

सं० एल०— कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और मधुसूदन केमिकल इन्डस्ट्रीज लिमिटेड के मामले में सिविल अर्जी सं० 8 की 1971 में ओडिशास्थित उच्च न्यायालय के दिनांक 30-11-1973 के आदेश द्वारा मधुसूदन केमिकल इन्डस्ट्रीज लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2)के अधीन
सूचना ।

सं० एल०-358/74—कम्पनी अधिनियम 1956 के मामले में और चिलिका केपिऊ मेनूफैक्चरिंग वर्क्स लिमिटेड के मामले में सिविल अर्जी सं० 10 की 1972 में ओडिशास्थित उच्च न्यायालय के दिनांक 30-11-1973 के आदेश द्वारा चिलिका केपिऊ मेनूफैक्चरिंग वर्क्स लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2)के अधीन
सूचना ।

कटक, दिनांक 6 फरवरी 1974

सं० एल०-362/74—कम्पनी अधिनियम 1956 के मामले में और कलिंग पिल एण्ड वार प्रोडक्ट्स लिमिटेड के मामले में सिविल अर्जी सं० 3 की 1973 में ओडिशास्थित उच्च न्यायालय

के दिनांक 9-1-1974 के आदेश द्वारा कलिंग पिल एण्ड वार प्रोडक्ट्स लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2)के अधीन
सूचना ।

सं० 361/74—कम्पनी अधिनियम 1956 के मामले में और हन्सनाथ शेरामीक इन्डस्ट्रीज लिमिटेड के मामले में सिविल अर्जी सं० 2 की 1973 में उड़ीसास्थित उच्च न्यायालय के दिनांक 9-1-74 के आदेश द्वारा हन्सनाथ शेरामीक इन्डस्ट्रीज लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

एस० एन० गुहा,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार उड़ीसा

आयकर आयुक्त का कार्यालय केरल
धनकर अधिनियम 1957 की धारा 8 के अधीन आदेश
कोचीन-16, दिनांक 21 नवम्बर 1973

आदेश सं० 17/73-74—धनकर अधिनियम 1957 की धारा 8(अ) के अनुसार, मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केरल का धनकर आयुक्त मैं, निदेश देता हूँ कि इस कार्यालय के दिनांक 12-7-73 (आदेश सं० 3/73/74) के आदेश में दी गई अनुसूची के कालम 1 और 2 में आयकर मण्डल एरणाकुलम और आयकर मण्डल तिरुवनन्तपुरम के नीचे निम्नलिखित प्रवृत्तियाँ भर दी जाएँ। यह निदेश 22-11-73 से प्रवृत्त होगा।

1. आयकर मण्डल एरणाकुलम ।

कोलम सं० 1 में, आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, के नीचे आयकर अधिकारी, श्रेणी 1 (परिबीक्षाधीन) जोड़िए। कोलम सं० 2 में, आयकर अधिकारी, श्रेणी 1 (परिबीक्षाधीन) के सामने "ऊपर कालम 2 में बताया गया कार्यभार" जोड़िए।

2. आयकर मण्डल तिरुवनन्तपुरम ।

कोलम सं० 1 में आयकर अधिकारी (वसूली) के नीचे आयकर अधिकारी श्रेणी 1 (परिबीक्षाधीन) जोड़िए।

कोलम सं० 2 में आयकर अधिकारी, श्रेणी 1 (परिबीक्षाधीन) के सामने ऊपर कालम सं० 2 में बताया गया कार्यभार जोड़िए।

एस० टी० तिरुमलाचारी,
आयकर आयुक्त, केरल एरणा कुलम

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर प्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी, 1974

निर्देश सं० 751/73-74:—यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है और जिसकी सं० 4एल, मेनटोक रोड, पहला स्ट्रीट, मद्रास है, जो में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14 सितम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्, :—

(1) श्री आर० नडराजा 7 चौथा क्राम स्ट्रीट, आर० के० नगर, मद्रास (अन्तरक)

(2) श्री आर० रंगनादन, 5, मेनटोक रोड, पहला क्राम स्ट्रीट मेतामपेट, मद्रास-18 (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

टी० सं० सं० 3841/2 में तीन-ग्राउण्ड और 292 स्कुयर फीट का खाली भूमि (प्लॉट सं० चार का भाग)

ए० रागवेन्द्र राव

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास-----)

दिनांक : 2 फरवरी, 1974

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी, 1974

निदेश सं० 820/73-74:—यतः, मुझे ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सर्वे सं० 3956/2 केसवपेरुमालपुरम कालनि है, जो में स्थित है (और इसमें उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14 नवम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तर्गती (अन्तर्गतियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिये सुकर बनाना, और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

(1) श्रीमती ए० कनकाम्मल, 134, लायिडस रोड, मद्रास-14 (अन्तरक)

(2). (1) ए० वी० रागवन.

(2) सी० कमलरत्नम और

(3) सी० कृष्णस्वामी.

53, चौथा काम स्ट्रीट, मद्रास-28 (अन्तरिती).

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

केसवपेरुमाल पुरम कालनि में सर्वे सं० 3956/2, में खाली भूमि (8428 स्क्वयर फीट)

(ए० रागवेन्द्र राव)

सदम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास—

दिनांक : 2 फरवरी, 1974

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेंज, शिलांग

मिलोग, दिनांक 4 फरवरी, 1974

निर्देश सं० ए० 25/एम० एल० सि०/73-74:—यतः, मुझे
एन० पाचुऔ आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं०

(क) आर० एम० पट्टा सं० 194 डाग सं० 533/534/
543/1367,

(ख) आर० एम० पट्टा सं० 190 डाग सं० 507,

(ग) आर० एम० पट्टा सं० 197 डाग सं० 514/515,

(घ) आर० एम० पट्टा सं० 168 डाग सं० 523/522 है
जो अम्बिकापुर, पार्ट X, शिलांग में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिलांग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18 मई, 1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सूकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सूकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री पियारों सिंह, पिता-योगेश्वर सिंह, मेहेरपुर, शिलांग,
(अन्तरक)

(2) रि-रोलि मिन्स के लिये, श्रीमती मननारा कुमारी
जैन, पति—श्री निर्मल कुमार जैन, मेहेरपुर शिलांग, (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तन्मवंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(1) आर० एम० पट्टा के अधीन
सं० 194 डाग सं० 533/534/534/-1397

1 बि० 11 का 2 छः

(2) आर० एम० पट्टा के अधीन

सं० 190 डाग सं० 507 . 0 बि०, 18 का. 3 छ

(3) आर० एम० पट्टा के अधीन

सं० 197 डाग सं० 501/515 . 4 बि०, 3 का. 12 छ

(4) आर० एम० पट्टा के अधीन

सं० 198 डाग सं० 523/522 . 10 बि०, 8 का०, 10 छ

17 बि०, 1 का 11 छः

जमिन शिलांग—हाईलाकान्दि मण्डक पर अवस्थित है (शिला-
ंग केन्द्र स्थान से 5 किलोमीटर), मोजा अम्बिकापुर पार्ट, X,
परगना बराकपोर शिलांग (सदर) और सं० नीचे लिखे गये:—

एन० पाचुऔ,

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—शिलांग

दिनांक : 2 फरवरी, 1974

मोहर .

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज. II

अहमदाबाद, दिनांक 4 फरवरी, 1974

निर्देश सं० 61/अक्व० 23/51/14-6/73-74:—यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० पी० एम० नं० 1990/45 है, जो महसूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महसूना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 16) के अधीन 8 अगस्त, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए, सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों से पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रजनीकान्त नारणदास पटेल अरुणकुमार नारणदास पटेल भागीदार में० पटेल रजनीकान्त नारणदास एण्ड ब्रदर्स, महसूना (अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदाबेन बाबुलाल शाह क्रीष्णनगर सीमायटी महसूना (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पी०एस० नं० 1990/45 रामश्रीराम रोलर फ्लोरमील का गेरज महसूना। कुल जमीन 3011 59 फीट।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज- II अहमदाबाद।

दिनांक 4 फरवरी, 1974

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, -II

अहमदाबाद, दिनांक 4 फरवरी, 1974

निदेश सं० 59/Acq/23-59/6-2/73-74—यतः, मुझ, पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 45 सं० नं० 984-112 है, जो अलकापुरी रेस कोर्स रोड बड़ौदा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-8-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती धनुषेन सुमनभाई पटेल कोडक हाउस, 3 मजला डा० डी० अन० रोड, बम्बई-1 (अन्तरक)
2-456 GI/73

(2) रमागौरी alias रेखागौरी भागीलाल कोडागी, 45 अलकापुरी रेसकोर्स रोड बड़ौदा (अन्तरिती)

(3) गुजरात ओटो गीअर्स लि० 45, अलकापुरी रेस-कोर्स रोड बड़ौदा (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 45 सर्वे ० नं० 984-112 अलकापुरी रेस-कोर्स रोड बड़ौदा (कुल जमीन 14157 फीट वर्ग महीन बगला)

(पी० एन० मित्तल)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद ।

दिनांक 4 फरवरी, 1974

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-II

अहमदाबाद, दिनांक 4 फरवरी 1974

निर्देश सं० 60/Acq/23-51/14-6/73-74:—यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० पी० एम० नं० 1990/45 सेन्सस नं० 4/578/10, 11, 12 है, जो महसूना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महसूना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 8 अगस्त, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रजनीकान्त नारायणदाम पटेल अरुणकुमार नारायण दाम पटेल भागीदार मं० रजनी कान्त नारायण दाम अन्ड ब्रदर्स महसूना (अन्तरक)

(2) श्री बाबूलाल मणीलाल शाह याकसी इन्दवदन जग-जीवन दाम (अपयस्क) संरजक तारामनी जगजीवन दाम, महसूना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पी० एम० नं० 1990/45 सेन्सस नं० 4/578/10, 11, 12 दो मंजिली भकान रामक्रीष्ण रालर फ्लोर मील का कम्पाउन्ड के साथ, महसूना कुल जमीन 4748, वर्ग फीट

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II
अहमदाबाद।

दिनांक 4 फरवरी 1974

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1,

नई दिल्ली, दिनांक फरवरी, 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्स०/1/एस० आर०-1/ /330 (143)/73-74/7309:—यतः, मुझे, डी० बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3626-30 है, जो मोरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14 अगस्त, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती प्रेम बन्ती विधवा श्री श्याम नाथ मंगल (2) श्री जगजीवन नाथ मंगल स्वयं तथा संयुक्त परिवार के कर्ता की हैसियत में (3) श्रीमती ऊषा मंगल विधवा श्री मतगुर नाथ मंगल (4) श्री सुमेर नाथ मंगल पुत्र श्री मतगुर नाथ मंगल (5) श्री सुधर नाथ मंगल पुत्र श्री मतगुर नाथ मंगल सभी 124-ई० कालका

जी, नई दिल्ली के निवासी (6) श्रीमती शबनम खुराना पत्नी श्री रवीन्द्रप्रकाश खुराना निवासी 111-ई० ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली द्वारा पंजीकृत मुख्तियार श्री हरिहर नाथ मंगल तथा (7) श्री हरिहर नाथ मंगल पुत्र श्री श्याम नाथ मंगल स्वामी बाग, आगरा। (अन्तरक)

2. मैं उत्तम सिंह दुग्गल एण्ड सन्स प्रा० लि० द्वारा श्री ओम प्रकाश, मैनेजिंग डायरेक्टर, 3627, मोरी गेट, दिल्ली (अन्तरिती)

(3) मैं आर० एम० भोला राम एण्ड सन्स प्रा० लि०, 36627 मोरी गेट, दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके अभिभोग में, सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति की अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या न्यूनतम अवधि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 111/3626-30 मोरी गेट दिल्ली जो कि 2075 वर्ग गज भूमि पर बनी है तथा निम्नलिखित प्रकार से घिरी है:—

उत्तर: दिल्ली वक्फ बोर्ड को जायदाद

दक्षिण: इन्डियन एक्सप्रेस बिल्डिंग

पूर्व: मन्दिर वाली गली

पश्चिम: सड़क

डी० बी० लाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 7 फरवरी, 1974

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रारूप आई० टी० एन० एम० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1974

निर्देश सं०आई०ए०सी०/एक्यू०/11/73-74 :—यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डब्ल्यू०-61 है, जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 अगस्त, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आश की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सुदर्शन कौर पत्नी श्री गुरशरण सिंह भाटिया निवासी 120/905 राजपत नगर, कानपुर (अन्तरक)

2. श्री रमेश चन्द्र आनन्द पुत्र श्री बोध राज आनन्द निवासी 20 राजपत नगर, जलन्धर सिटी (पंजाब) (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान, नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिष्ठाता होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड जमीन का प्लॉट नं० 61 ब्लॉक नं० डब्ल्यू० क्षेत्रफल 530.5 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश -1, नई दिल्ली-48 जो कि दिल्ली कॉर्पोरेशन की सीमा में याकूतपुर में निम्न प्रकार स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० 63

पश्चिम : सड़क

उत्तर : सड़क

दक्षिण : सर्विस लैन

सी० बी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 6 फरवरी, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी, 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/73-74/—यतः,
मुझे सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एम०/8ए है, जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
31 अगस्त, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम लाल डांग पुत्र श्री सावन मल निवासी
एम०/8/ए०, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री सत्येन्द्र पाल त्यागी पुत्र श्री भेषराज त्यागी (2)
श्रीमती विमला रानी त्यागी पत्नी श्री सत्येन्द्र पाल त्यागी निवासी
सी-54 महारानी बाग नई दिल्ली आजकल एम/8—ए० ग्रेटर
कैलाश-1, नई दिल्ली-48 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हैं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/1/2 भंजिली जायदाद जो कि फ्रीहोल्ड प्लॉट नं० एम०
/8 क्षेत्रफल 500 वर्ग गज पर निवासी कालानी ग्रेटर कैलाश-1
नई दिल्ली में निम्न प्रकार से बनी हुई है:—

पूर्व : प्लॉट नं० एम-10

पश्चिम : प्लॉट नं० एम-8

उत्तर : राविस लैन

दक्षिण : सड़क

सी०वी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज—2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 6 फरवरी, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन

नई दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी, 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/ 73-74:—
यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डब्ल्यू-48-ए० है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्वरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29 अगस्त, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 10-एफ० कनाट, पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री जगदीश चौपड़ा पुत्र श्री आर० ए० चौपड़ा निवासी ई-486 ग्रेटर कैलाश-11 नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट जिसका नं० 48 ए० क्षेत्रफल 100 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-11 नई दिल्ली के गांव बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित :— है

पूर्व : सर्विस लैन

पश्चिम : सड़क

उत्तर : प्लॉट नं० डब्ल्यू०/46

दक्षिण : प्लॉट नं० डब्ल्यू/48

सी० बी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 6 फरवरी, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी, 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/73-74/—यतः

मुख्य, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिनकी सं० खसरा न० 82/1 है, जो भगवान दाम नगर, दिल्ली में स्थित (है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20 अगस्त, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुख्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुमरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मिद्धार्थ चौधरी (2) श्री अजय चौधरी पुत्री गण चौधरी ब्रह्म प्रकाश निवास जो-7 निजामुद्दीन वैस्ट, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. मै० कैपिटल लैन्ड बिल्डर्स (प्रा० लि०) पटोदी हाऊस दरिया गंज दिल्ली-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पेट्रोल पम्प क्षेत्रफल 2621 वर्ग गज (2 विघा + 12 विश्वास) 2/3 भाग जो कि खसरा न० 82/1 जो कि अधिकृत कालोनी भगवान दाम नगर, के गांव शकुरपुर दिल्ली में है।

||

सी० वी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 6 फरवरी 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी, 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-1/एम० आर०-1
अगस्त-1/360/(118) /73-74/7303:—यतः मुझे, डी०
बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 10,
डी० एल० एफ० इण्डस्ट्रियल एरिया है, जो नजफगढ़ रोड, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 8 अगस्त, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए मुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए मुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री ज्ञान सिंह कलसी सुपुत्र श्री हरनाम सिंह कलसी
(2) श्रीमती जमवन्त कौर पत्नी श्री ज्ञान सिंह कलसी (3)
श्री जगदीश सिंह कलसी सुपुत्र श्री ज्ञान सिंह कलसी 82-डी मालवा

मार्ग, डिप्लोमेटिक इन्क्लेव, नई दिल्ली (4) श्री कमलजीत
सिंह कलसी सुपुत्र श्री ज्ञान सिंह कलसी निवासी 12, ग्रैंड पेरड,
वैम्बले पार्क लण्डन (यू० के०) द्वारा आम मुख्यतयार श्री मनवीर
सिंह एडवोकेट पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली (5) श्री
जमपाल सिंह कलसी सुपुत्र श्री ज्ञान सिंह कलसी, डी-82
मालवा मार्ग, डिप्लोमेटिक इन्क्लेव, नई दिल्ली द्वारा आम
मुख्यतयार श्री मनवीर सिंह, एडवोकेट पूसा मार्ग, करोल बाग,
नई दिल्ली (अन्तरक)

2. मैं कपूर एयर परोडैक्ट्स (प्रा०) लि० द्वारा डा० श्री
बी० के० कपूर, 18/78 पंजाबी बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट नं० 10-डी० एल० एफ० क्षेत्रफल 2228
वर्ग गज जो डी० एल० एफ० इण्डस्ट्रियल एरिया, नजफगढ़ रोड,
नई दिल्ली जो गांव बरसाई दारापुर दिल्ली प्रांत, दिल्ली का
क्षेत्र है में स्थित है ।

डी० बी० लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 6 फरवरी, 1974

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-1,

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी, 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकपृ० 1/एस० आर०-1/
अक्तूबर / 587(37) / 73-74/7302:-यतः, मुझे,
डी० बी० राणा आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह निर्देश करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० बी-21 है, जो सी० सी० कालोनी आर० पो०
बाग के सापने में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में आरक्षित रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अर्थात् 27 अक्तूबर, 1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए मुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए मुकर बनाना।

आर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अन्तर्गण में, मैं आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री धर्मवीर पुत्र श्री सुख लाल 58 प्रेम नगर, सब्जी मंडी,
दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री ब्रह्मा नन्द पुत्र श्री विशम्भर दयाल 21/18 शक्ति
नगर, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, ताः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट न० बी-21 जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज
है जो कि सी० सी० कालोनी राणा प्रताप बाग दिल्ली के सामने
स्थित है तथा निम्नलिखित प्रकार जैसे घिरा हुआ है:—

उत्तर : सड़क 45 फुट

दक्षिण : सर्विसलैन 15 फुट

पूर्व : प्लॉट न० बी/22

पश्चिम : प्लॉट न० बी०/20

डी० बी० लाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 6 फरवरी, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज,

चण्डीगढ़, दिनांक 29 जनवरी 1974

निदेश सं० एस० आर० एस०/1278/73-74/—यतः, मुझे जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है, जो इलनाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिरसा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, अगस्त को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोध तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बहादुर }
(2) श्री भाग राम } पत्न श्री शेरा राम
निवासी इलनाबाद, तह० सिरसा। (अन्तरक)

(2) दी० प्रन्सिपल आफसर मै० सेठ सुरज मल काटन गिनिंग मिलज प्राईवेट लि०; इलनाबाद, तह० सिरसा (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।
उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति, इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि वर्ग किला न०		30219/2	9/2
		2/1	1/2
		0-13	1-5
10/2	11	12/1	20/2
कुल 24-0			
5-13	7-18	4-12	3-19

जो इलनाबाद, तह० सिरसा में स्थित है।

(जायदाद रजिस्ट्रार डी० न० 2540 जो अगस्त 1973 में सब रजिस्ट्रार सिरसा ने किया।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 29 जनवरी, 1974
मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज

चण्डीगढ़, दिनांक 4 फरवरी, 1974

निदेश सं० सी० एच० डी० / 1333/73-74/—यतः, मुझे जी०पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 51-पी० मकान नं० 788 है, जो सैक्टर 22-ए०, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 अगस्त को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगजीत सिंह मोती पुत्र श्री करतार सिंह मोती,
(2) श्रीमती मुरिन्द्र कौर मोती निवासी, नं० 8, सैक्टर 21-ए०, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

(2) कुमारी रणवीर कौर पुत्री श्री रघवीर सिंह 108, दी माल, अंबाला कैंट। (अन्तरिती)

* (3) (1) श्री मेजर बचन सिंह (रिटायर्ड)

(2) श्री प्रेम० पाल पंडित, एडवोकेट

(3) श्री डी० एस० बाली, एडवोकेट,

मकान नं० 788, सैक्टर 22-ए०, चण्डीगढ़। (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 51-पी०, मकान नं० 788 सैक्टर 22-ए० चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 4 फरवरी, 1974

मोहर :

* (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,

चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 29 जनवरी, 1974

निदेश सं० बी० जी० आर०/1356/73-74:—यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बंगलों न० बी०-1, एन० एच० न० 5 एन० आई० टी० है, जो फरीदाबाद में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 अगस्त, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिगतियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्रीमती बलबीर कौर पत्नी श्री जी० एस्० गुगल, बी०-1, एन० एच० न० 5, एन० आई० टी० फरीदाबाद (अन्तरक)
- (2) श्री मदन लाल पुत्र श्री दल्ला राम, 3/18 पुराना राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाना है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाना है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

बंगलों न० बी०-1, एन० एच० न० 5, एन० आई० टी०, फरीदाबाद।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 29 जनवरी 1974

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रत्येक आर्डी० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 4 फरवरी 1974

निर्देश सं० गी० एच० डी०/1371/73-74/—यतः, मुझे, जी०पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेंट रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रूप में अधिक है और जिसकी सं० मकान न० 2391-2392 है, जो सैक्टर 22-सी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थात् 1973 अगस्त, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत खिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए, या छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री विद्या सागर कपूर मकान न० 2391, सैक्टर 22-सी०, चण्डीगढ़ (अन्तरक)

(2) श्री कुल दीप सिंह ग्राम अलाचौर, जिला जालन्धर, (अन्तरिती)

(3) (1) श्री डा० पवन कुमार गुप्ता

(2) श्री एम० के० बसल मकान न० 2391, सैक्टर 22-सी०-चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान न० 2391—2392, सैक्टर 22-सी०, चण्डीगढ़ ।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 4 फरवरी, 1974

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 29 जनवरी 1974

निदेश सं० बी० जी० आर०/1400/73-74:—यतः, मुझे श्री जी०पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिराका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट न० 21 पर बिल्डिंग वाटारोड, एन० आई० टी० है जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्बगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 अगस्त, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती शीला सुन्दरा (शीला मेरूट) पत्नी करनल श्री जे० पी० मेरूट, डी०-4/8, बसन्त बिहार नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण लाल

(2) श्री सुन्द लाल

} पुत्र श्री राम लाल (अन्तरिती)

निवासी 1-जी०-22, टाउन शिप फरीदाबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 21 पर बिल्डिंग बाटा रोड एन० आई० टी०, फरीदाबाद जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न० 272, अगस्त 1973 के अनुसार सब रजिस्ट्रार बल्बगढ़ के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 29 जनवरी, 1974

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 7 फरवरी 1974

निदेश सं० सी० एच० डी०/1378/73-74:—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान न० 26 है, जो सैक्टर 3-ए०, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, अगस्त को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री नगिन्द्र सिंह हिलों पुत्र श्री करतार सिंह कोठी न० 26 सैक्टर 3-ए० चण्डीगढ़ (अन्तरक)

(2) श्री सोहन लाल मोहन पुत्र श्री अमर नाथ मँहता मकान न० 40 सैक्टर 27-ए० चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 26, सैक्टर 3-ए०, चण्डीगढ़।

जी०पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 7 फरवरी, 1974

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 7 फरवरी 1974

निर्देश सं० सी०एच०डी०/1335/73-74—यतः, मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी संख्या मकान नं० 79, मैक्टर 16-ए, है, जो चण्डीगढ़ में स्थित है और इससे उगावट अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुझाव बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुझाव बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कान्ता मैहरा, पत्नी श्री एम० एल० मैहरा, निवासी आनन्द बिल्डिंग, अम्बाला कैंट।

(अन्तरक)

2. (1) श्री जगत सिंह पुत्र श्री विक्रम सिंह,

(2) श्री बलिहार सिंह, पुत्र श्री जगत सिंह,

निवासी गांव और डानखाना कोट गरेवाल, तहसील फलीर, जिला जलन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू कराई हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में गमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—उपरोक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी मकान नं० 79, मैक्टर 16-ए, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 7-2-1974

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दी जाए)

संघ लोक सेवा आयोग**विज्ञापन सं० 7**

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। उम्मीदवारों की आयु 1-1-1974 को निर्धारित आयु-सीमाओं के अन्तर्गत होनी चाहिए। किन्तु सरकारी कर्मचारियों को, उन पदों को छोड़कर जिनके सम्बन्ध में ऐसी छूट न देने का उल्लेख किया गया हो, आयु-सीमा में छूट दी जा सकती है। ऊपरी आयु-सीमा में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आए विस्थापित लोगों तथा बर्मा और श्रीलंका में प्रत्यावर्तित व्यक्तियों तथा कीनिया उगांडा और संयुक्त गणराज्य टंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों में प्रव्रजन कर आए लोगों के कुछ वर्गों को 45 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु-सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है। विशेष परिस्थितियों को छोड़कर अन्य लोगों को किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और यह छूट किसी की स्थिति में 3 वर्ष में अधिक नहीं होगी। अन्य दृष्टियों से योग्य उम्मीदवारों को, आयोग यदि चाहे तो, योग्यताओं में छूट प्रदान कर सकता है। केवल उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसा वेतन न देने का उल्लेख किया गया हो, विशेषतया योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों को उच्च प्रारंभिक वेतन दिया जा सकता है।

आवेदन-प्रपत्र और विवरण सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहाँ रोड, नई दिल्ली-110011, में प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रपत्र के लिए अनुसंधान करने समय पद का नाम, विज्ञापन संख्या एवं मद-संख्या अवश्य लिखें और साथ ही प्रत्येक पद के लिए कम से कम 23 x 10 स० मी० आकार का अपना पता लिखा हुआ टिकट रहित लिफाफा भेजना चाहिए। लिफाफे पर उक्त पद का नाम लिखा होना चाहिए जिसके लिए आवेदन-प्रपत्र मांगा जा रहा है। आयोग 1-1-1964 को या उसके बाद किन्तु 25-3-1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रव्रजन कर आए भारत आए वस्तुतः विस्थापित तथा 1 जून, 1963 और 1 नवम्बर, 1974 को या उसके बाद क्रमशः बर्मा और श्रीलंका में प्रत्यावर्तित व्यक्तियों या शुल्क माफ कर सकता है जो यथार्थ निर्धारित हों। प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग शुल्क के साथ अलग-अलग आवेदन-पत्र भेजना चाहिए। विदेशों में रहने वाले उम्मीदवार आवेदन-प्रपत्र न मिलने पर सादे कागज पर आवेदन कर सकते हैं और स्थायीय भारतीय दूतावास में शुल्क जमा कर सकते हैं। अपेक्षित होने पर उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना पड़ेगा। रु० 8.00 (अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित आदिम जातियों के लिए रु० 2.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर सहित, आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख 18 मार्च 1974 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रहने वाले आवेदकों के लिए 2 अप्रैल, 1974 है)। खजाना रसीदों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्रम संख्या 13 का पद स्थायी है। क्रम संख्या 1, 11, 16 और 18 के पद स्थायी हैं किन्तु उन पर नियुक्ति अस्थायी आधार पर की जाएगी। क्रम संख्या 14 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके स्थायी कर दिए जाने की संभावना है। क्रम संख्या 2 से 10, 15, 17, 19

और 20 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके अनिश्चित काल तक चलते रहने की संभावना है। क्रम संख्या 12 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके चलते रहने की संभावना है।

क्रम संख्या 12 के 2 पद और क्रम संख्या 14 के 1 पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। क्रम संख्या 14 के 2 पद और क्रम संख्या 17 का एक पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। क्रम संख्या 15 का पद यदि ऐसे उम्मीदवार मिलते हैं तो अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है अन्यथा यदि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों का उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिलता तो उसे अनारक्षित समझा जाएगा।

क्रम संख्या 3 और 5 के पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं जिनके लिए केवल वे ही आवेदन करें। क्रम संख्या 6 का पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है जिनके लिए केवल वे ही आवेदन करें।

क्रम संख्या 14 के 6 पद और क्रम संख्या 17 तथा 19 में से प्रत्येक का एक पद यदि ऐसे उम्मीदवार मिलते हैं तो उक्त आपातकालीन आयुक्त/अल्पकालीन सेवा आयुक्त अधिकारियों के लिए आरक्षित हैं जिन्हें 1-11-1962 को या उसके बाद किन्तु 10-1-1968 से पूर्व सशस्त्र सेनाओं में कर्मचारी प्राप्त था या परवर्ती तारीख में पहले किसी वर्गीकृत पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हो गये थे किन्तु जिन्हें उक्त तारीख के बाद कर्मचारी प्राप्त हुआ था और जो निम्नलिखित हों/नैसर्गिक सेवा के कारण हुई विकलांगता के फलस्वरूप अपंग हों/निम्नलिखित होने वाले हों अन्यथा उन्हे अनारक्षित समझा जाएगा।

1. एक आचार्य, प्रशिक्षण और व्यवस्था, दिल्ली इंजीनियरी कालेज, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली। वेतन :—रु० 1100-50-1300-60-1600। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता (ii) व्यावसायिक कार्य/अनुसंधान/अध्यापन में कम से कम 10 वर्ष का अनुभव जिसमें से कम से कम 5 वर्ष का अनुभव किसी प्रमाणित संगठित उद्योग में हो।

2. प्रशिक्षण का एक उप निदेशक (यंत्र व्यवस्था), रोजगार तथा प्रशिक्षण महानिदेशालय, अम संकलन। वेतन :—रु० 1100-50-1400। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में यंत्र व्यवस्था इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में डिग्री अथवा यंत्र व्यवस्था के विशेष विषय के साथ प्रयुक्त भौतिकी में 'मास्टर' डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) स्नातक स्तर के बाद लगातार कार्य में रत किसी विद्यालय कर्मशाला या कारखाने या प्रतिष्ठान में पर्यवेक्षणीय हैमियत से लगभग 7 वर्ष का अनुभव जिसमें किसी मान्यताप्राप्त तकनीकी संस्था में अध्यापन का अनुभव भी सम्मिलित हो। (iii) प्रशासनिक अनुभव। (iv) इंजीनियरी और भवन व्यवसायों का कार्यसाधक ज्ञान जो वरीयतः कृटीय और/या लघु उद्योग से संबद्ध हो।

3. प्रशिक्षण का एक उप-निदेशक (औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स), रोजगार तथा प्रशिक्षण महानिदेशालय, श्रम मंत्रालय। वेतन :—रु० 1100-50-1100। आयु-सीमा :—50 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में दूर संचार/वैद्युत् संचार/टेलीफोनिक इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) स्नातक बनने के बाद उत्पादन कार्य में रत किसी विख्यात कर्मशाला या कारखाने या प्रतिष्ठान में पर्यवेक्षकीय हैसियत में लगभग 7 वर्ष का अनुभव जिसमें किसी मान्यताप्राप्त तकनीकी संस्था में अध्यापन का अनुभव भी सम्मिलित हो। (iii) प्रशासनिक अनुभव। (iv) इंजीनियरी और भवन व्यवसायों का कार्यसाधक ज्ञान जो वरीयतः कुटीर और/या लघु उद्योगों में से संबद्ध हो।

4. सिविल इंजीनियरी (संरचना) का एक सहायक आचार्य, इंजीनियरी कालेज, बिस्ली प्रशासन, बिस्ली। वेतन :—रु० 700-50-1250। आयु-सीमा :—10 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से संरचना में विशेषज्ञता सहित सिविल इंजीनियरी में स्नातकोत्तर डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (iii) मास्टर डिग्री प्राप्त उम्मीदवारों के लिए कम से कम 5 वर्ष ("शार्टर" डिग्री प्राप्त उम्मीदवारों के लिए 3 वर्ष) का अनुसंधान/व्यावसायिक कार्य/डिग्री स्तर पर अध्यापन का अनुभव।

5. प्रशिक्षण का एक महानिदेशक, रोजगार तथा प्रशिक्षण महानिदेशालय, श्रम और पुनर्वास मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1150। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से धातु विज्ञान में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) स्नातक बनने के बाद उत्पादन कार्य में रत किसी विख्यात कर्मशाला या प्रतिष्ठान में पर्यवेक्षकीय हैसियत में अथवा किसी मान्यताप्राप्त तकनीकी संस्था में अध्यापन का लगभग 5 वर्ष का अनुभव।

6. प्रशिक्षण का एक सहायक निदेशक, रोजगार तथा प्रशिक्षण महानिदेशालय, श्रम और पुनर्वास मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-50-1150। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में कृषि इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) स्नातक बनने के बाद उत्पादन कार्य में रत किसी विख्यात कर्मशाला या कारखाने या प्रतिष्ठान में पर्यवेक्षकीय हैसियत में अथवा किसी मान्यताप्राप्त तकनीकी संस्था में अध्यापन का लगभग 5 वर्ष का अनुभव। (iii) प्रशासनिक अनुभव।

7. प्रशिक्षण का एक महानिदेशक, रोजगार तथा प्रशिक्षण महानिदेशालय, श्रम और पुनर्वास मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1150। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में आर्टो-मोबील इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) स्नातक बनने के बाद उत्पादन कार्य में रत किसी विख्यात कर्मशाला या कारखाने या प्रतिष्ठान में पर्यवेक्षकीय हैसियत में अथवा किसी मान्यताप्राप्त तकनीकी संस्था में अध्यापन का लगभग 5 वर्ष का अनुभव। (iii) प्रशासनिक अनुभव।

8. प्रशिक्षण का एक सहायक निदेशक, रोजगार तथा प्रशिक्षण महानिदेशालय, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1150। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में रसायन इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) स्नातक बनने के बाद उत्पादन कार्य में रत किसी विख्यात कर्मशाला या कारखाने या प्रतिष्ठान में पर्यवेक्षकीय हैसियत में अथवा किसी मान्यताप्राप्त संस्था में अध्यापन का लगभग 5 वर्ष का अनुभव। (iii) प्रशासनिक अनुभव।

9. एक बरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड II, मुख्य स्थानिक इंजीनियरी (आर०टी०ओ०), बंगलौर, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में वैद्युत् इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) वायु-यान वैद्युत् उपकरण, वायु निपीड़न कैंबिन अनुमूलन-यंत्र संस्थापन के अभिकल्पन एवं विकास का लगभग दो वर्ष का अनुभव।

10. एक तकनीकी अधिकारी (यंत्र व्यवस्था), रोजगार तथा प्रशिक्षण महानिदेशालय, श्रम और रोजगार विभाग, श्रम मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-40-450-30-600-35-670-२० र०-35-950। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में यंत्र-व्यवस्था इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में डिग्री या प्रयुक्त भौतिकी में "मास्टर" डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) स्नातक बनने के बाद यंत्र व्यवस्था में लगभग एक वर्ष का अनुभव।

11. एक सह-आचार्य, जीव-रसायन विज्ञान तथा पोषाहार, अखिल भारतीय स्वास्थ्य रक्षा तथा लोक स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग)। वेतन :—रु० 1100-50-1400। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में जीव-रसायन विज्ञान पोषाहार में एम० एस-सी० डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) किसी मेडिकल कालेज या स्नातकोत्तर शिक्षा और या अनुसंधान संस्थान में जीव-रसायन विज्ञान और पोषाहार के क्षेत्र में अध्यापन और अनुसंधान का 7 वर्ष का अनुभव।

12. पांच उप-निदेशक (सहाय एवं अनुसंधान), कृषि मंत्रालय (खाद्य विभाग)। वेतन :—रु० 700-50-1250। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में कृषि विज्ञान में "मास्टर" डिग्री अथवा रसायन विज्ञान या प्राणि विज्ञान या वनस्पति विज्ञान में "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) सरकारी विभागों या विख्यात वाणिज्यिक गृहों में खाद्यान्नों के संचय, स्टॉक के अनु-रक्षण अथवा खाद्यान्नों के परीक्षण, निरीक्षण या विण्णन का लगभग 5 वर्ष का अनुभव। अथवा (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से कृषि-विज्ञान में डिग्री या रसायन विज्ञान या जीव विज्ञान या प्राणि विज्ञान या वनस्पति विज्ञान के विषय के साथ विज्ञान में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) सरकारी विभागों

या विद्यालय वाणिज्यिक गृहों में छात्राओं के संचय, स्टॉक के अनु-रक्षण अथवा छात्राओं के परीक्षण, निरीक्षण और विप्लेषण का लगभग 7 वर्ष का अनुभव।

13. एक जीव रसायनज्ञ, हिन्दुराष्ट्र अस्पताल, विल्ली नगर निगम। वेतन :—रु० 450-30-660-द० रो०-40-1100-50-1250। आयु : सीमा :—35 वर्ष। सरकारी कर्मचारियों और शिक्षणी नगर निगम के कर्मचारियों को छूट दी जा सकती है। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में जीव-रसायन विज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी की मास्टर डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी मेडिकल कालेज या अस्पताल में नैदानिक जीव-रसायन विज्ञान में लगभग 5 वर्ष का अनुभव। अथवा (i) जीव-रसायन विज्ञान/जीव रसायन विज्ञान में युक्त शरीर-क्रिया-विज्ञान में "डक्टरेट" डिग्री। (ii) किसी मेडिकल कालेज या अस्पताल में नैदानिक जीव-रसायन विज्ञान में लगभग 3 वर्ष का अनुभव।

14. बारह मौसम विज्ञानी ग्रेड II, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, पर्यटन और सिविल विमानन मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—5 पदों के लिए निम्नलिखित विषयों में से किसी एक में द्वितीय श्रेणी की एम० एम० सी० डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता :—मौसमविज्ञान, भौतिकी, सांख्यिकी, गणित, प्रयुक्त भौतिकी तथा भूभौतिकी (भूभौतिकी में योग्यता रखनेवाले उम्मीदवारों में निम्नलिखित में से किसी एक विषय में विशेषज्ञता अपेक्षित है : मौसम विज्ञान, समुद्र विज्ञान, जल विज्ञान (Hydrology), भू-चुम्बकत्व (Geomagnetism) और भूकम्पविज्ञान (Seismology)। 7 पदों के लिए : रेडियो भौतिकी या इलेक्ट्रॉनिकी या दूर संचार में विशेषज्ञता के साथ भौतिकी में द्वितीय श्रेणी की एम० एम० सी० डिग्री अथवा दूर-संचार इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) उपर्युक्त विषयों या क्षेत्रों में से किसी एक में अनुसंधान का लगभग 2 वर्ष का अनुभव, जो प्रमाणित लेखों द्वारा प्रमाणित हो सभी पदों के लिए।

15. एक कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (जीव विज्ञान), केन्द्रीय विधि चिकित्सा विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय व्यरो अन्वेषण व्यरो वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900। आयु : सीमा :—30 वर्ष। योग्यता : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वनस्पति-विज्ञान, प्राणिविज्ञान, मानवविज्ञान, या जीव-रसायन विज्ञान में एम० एम० सी० अथवा इसके समकक्ष डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) प्राणिविज्ञान, वनस्पतिविज्ञान, मानवविज्ञान अथवा जीव-रसायन विज्ञान में विश्लेषणात्मक कार्य और अनुसंधान का लगभग तीन वर्ष का अनुभव।

16. एक निश्चेतना विज्ञानी, केन्द्रीय अस्पताल, धनबाद, कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि संगठन, स्वास्थ्य विभाग, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय। केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा ब्लास I का विशेषज्ञता ग्रेड। वेतन :—रु० 600-40-1000-द० रो०-50-1300 तथा साथ में वेतन के 50 प्रतिशत की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता जो अधिक से अधिक

रु० 600/- प्रतिमास होगा। आयु : सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) भारतीय मेडिकल काउंसिल अधिनियम, 1956, की प्रथम या द्वितीय अनुसूची में अथवा तृतीय अनुसूची के भाग II में निबद्ध (नाइसेसिएट योग्यताओं को छोड़कर) मान्य मेडिकल योग्यता। तृतीय अनुसूची के भाग II में निबद्ध शैक्षिक योग्यताओं से युक्त उम्मीदवारों को भारतीय मेडिकल काउंसिल अधिनियम, 1956, की धारा 13 (3) में निर्धारित शर्तों को भी पूरा करना होगा। (ii) निश्चेतना विज्ञान में स्नातकोत्तर योग्यता जैसे एम० एम० एम० आर० सी० एम०, एम० डी०/एम० एम० (निश्चेतना विज्ञान के विशेष विषय के साथ) या डी० ए० (आर० सी० पी० एण्ड एम०) (इंग्लैंड), डी० ए० अथवा समकक्ष योग्यता। (iii) विशेषज्ञता में सम्बद्ध किसी दायित्वपूर्ण पद पर स्नातकोत्तर डिग्री/डिप्लोमा प्राप्त उम्मीदवारों के लिए क्रमशः कम से कम 3/5 वर्ष का कार्य।

17. दो काय-चिकित्सक, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) इन पदों के केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा ब्लास I के विशेषज्ञता ग्रेड में सम्मिलित कर लिए जाने की संभावना है। वेतन :—रु० 600-40-1000-द० रो०-50-1300/-तथा साथ में वेतन के 50 प्रतिशत की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता जो अधिक से अधिक रु० 600/- प्रतिमास होगा। आयु : सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) वही जो उपर्युक्त मद संख्या 16 (i) में है। (ii) आयुविज्ञान में स्नातकोत्तर योग्यता जैसे एम० डी०, एम० आर० सी० पी०, पी०-एन० डी० (मेडिकल), एम० एस०-सी० (मेडिकल), एम० एस०-सी० (मेडिसिन) (नागपुर), या एल० मेड० (डब्लिन) अथवा समकक्ष योग्यताएं। (iii) आयुविज्ञान में किसी दायित्वपूर्ण पद पर स्नातकोत्तर डिग्री/डिप्लोमा प्राप्त उम्मीदवारों के लिए क्रमशः कम से कम 3/5 वर्ष का कार्य।

18. एक विकीरण चिकित्सक, केन्द्रीय अस्पताल, कल्ला आसनसोल कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि संगठन, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय, (स्वास्थ्य विभाग)। इस पद के केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा ब्लास I के विशेषज्ञता ग्रेड में सम्मिलित कर लिए जाने की संभावना है। वेतन :—रु० 600-40-1000-द० रो०-50-1300 तथा साथ में वेतन के 50 प्रतिशत की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता जो अधिक से अधिक रु० 600/- प्रतिमास होगा। आयु : सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) वही जो उपर्युक्त मद संख्या 16 (i) में है। (ii) विकीरण चिकित्सा में स्नातकोत्तर योग्यता जैसे एम० डी० (रेडियोलॉजी), या विकीरण चिकित्सा के विशेष विषय सहित एम० डी०/एम० आर० सी० पी०, डी० एम० आर० सी० (द्विवर्षीय पाठ्यक्रम), डी० एम० आर० ई० (द्विवर्षीय पाठ्यक्रम) या समकक्ष योग्यता, डी० एम० आर० ई० (एक वर्षीय पाठ्यक्रम), डी० एम० आर० एण्ड डी० (एक वर्षीय पाठ्यक्रम), डी० एम० आर० डी० (एक वर्षीय पाठ्यक्रम) या समकक्ष योग्यता। (iii) विशेषज्ञता में सम्बद्ध किसी दायित्वपूर्ण पद पर स्नातकोत्तर डिग्री/डिप्लोमा प्राप्त उम्मीदवारों के लिए क्रमशः कम से कम 3/5 वर्ष का कार्य।

19. तीन कनिष्ठ रोगविज्ञानी, केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य सेवा कामपुर मेरठ और अजियमेर, पांडिचेरी, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग)।

वेतन :—रु० 150-30-660-द० रो०-10-1100-50-1250 तथा साथ में वेतन के 50 प्रतिशत की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता जो अधिक से अधिक रु० 600/- प्रतिमात्र होगा। (स्नातकोत्तर डिप्लोमा-धारी व्यक्तियों के लिए दो अग्रिम वेतन-वृद्धियां तथा स्नातकोत्तर डिग्री धारी व्यक्तियों के लिए चार अग्रिम वेतन वृद्धियां)। आयु सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) वही जो उपर्युक्त मद संख्या 16(i) में है। (ii) रोगविज्ञान में स्नातकोत्तर योग्यताएं जैसे एम० डी० (पैथ०), एम० डी० (पैथ० एण्ड बैक्टे०), एम० एम० सी० (पैथ०), एम० एम० सी० (पैथ० एण्ड बैक्टे०), पी० एच० डी० (पैथ० एण्ड बैक्टे०), डी० एम० सी० (पैथ० एण्ड बैक्टे०), डी० सी० पी०, डी० पी० बी० अथवा समकक्ष योग्यता। (iii) मेडिकल स्नातक के रूप में पंजीकरण के बाद पांच वर्ष का अनुभव।

20. दूरदर्शन प्रस्तुतीकरण का एक विभागाध्यक्ष, भारतीय चलचित्र तथा दूर दर्शन संस्थान का दूर दर्शन प्रशिक्षण केन्द्र, पूना सूचना और प्रसारण मंत्रालय। वेतन :—रु० 1100-50-1400। आयु सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) भारतीय चलचित्र तथा दूरदर्शन संस्थान से निदेशन/निर्माण/रूपक लेखन में डिप्लोमा अथवा भारतीय चलचित्र तथा दूर दर्शन संस्थान

के दूरदर्शन प्रशिक्षण केन्द्र में दूर-दर्शन पाठ्यक्रम पूरा करने का प्रमाण-पत्र अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) दूरदर्शन या रेडियो या चलचित्र पर प्रस्तुतीकरण का कम से कम 7 वर्ष का अनुभव जिसमें से कम से कम एक वर्ष दूरदर्शन में हो।

शुद्धि पत्र

सहायक आयुक्त (मासिकी आयोजन), कृषि मंत्रालय, (कृषि विभाग) संवर्धन :—दिनांक 29-12-1973 को प्रकाशित आयोग के विज्ञापन संख्या 52 की मद संख्या 4। सर्व-साधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि यदि अनुसूचित जातियों का उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिलता है तो यह पद अनारक्षित समझा जाएगा। अन्य शर्तें पूर्ववत् हैं। आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अन्तिम तिथि 18-3-1974 (विदेश में तथा अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह और लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए 2-4-1974) तक बढ़ा दी गई है। जो व्यक्ति आयोग के पूर्व विज्ञापन के आधार पर पहले ही आवेदन कर चुके हैं उन्हें फिर से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।

अणोक चन्द्र बन्धोपाध्याय,
सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

SUPREME COURT OF INDIA (ADMN. BRANCH 1)

New Delhi, the 31st January 1974

No. 1-674-SCA(I).—Consequent upon his appointment as Additional Government Advocate in the Ministry of Law, Justice and Company Affairs, New Delhi, Shri Girish Chandra, Assistant Editor, Supreme Court Reports has been relieved of his duties with effect from the afternoon of the 1st January 1974.

S. K. GUPTA, Registrar (Admn.)
Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 28th January 1974

No. A32013/1/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. R. Ahir, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 3 months with effect from 6-12-73 to 5-3-74 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

The 31st December 1973

No. A32013/1/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri C. R. Anand a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 3 months with effect from 5-11-1973 to 4-2-1974 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

No. A32014/1/73-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated the 10th December, 1973, Shri S. Mukherjee, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, has been allowed to continue to hold the post of Section Officer for a further period of 28 days from the 11th January 1974 to the 31st January, 1974 or until further orders, whichever is earlier.

M. R. BHAGWAT, Under Secy.
(Incharge of Administration),
Union Public Service Commission.

New Delhi, the 31st December 1973

No. A32013/1/74-Admn.I.—Miss. S. T. Keswani, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service, vide this office Notification No. A 32013/1/73-Admn.I, dated 15th October, 1973, relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 1st December, 1973.

2. On her reversion, Miss S. T. Keswani, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 1st December, 1973.

No. A32013/1/74-Admn.I.—Shri B. B. Mehra a permanent officer of the Selection Grade of the Central Secretariat Stenographers' Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the CSS vide this office Notification No. A32013/1/73-Admn.I, dated 5-12-1973, relinquished charge of the office of Under Secretary Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 2nd January, 1974.

2. On his reversion, Shri B. B. Mehra resumed charge of the office of Private Secretary (Selection Grade of CSS) in the office of the Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 2nd January, 1974.

M. R. BHAGWAT, Under Secy.
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT

(DEPT. OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS)

New Delhi the 10th January 1974

No. 3/4/73-AD.V.—The President is pleased to appoint, on deputation, Shri Dibakar Acharya, an I.P.S. officer of

Uttar Pradesh Cadre, as Supdt of Police, (Crime Prevention) in the Co-ordination Wing in the C.B.I., New Delhi with effect from the forenoon of the 24th December, 1973, until further orders.

The 4th February 1974

No. 4/3/73-AD.V.—Director, C.B.I. and I.G.P., S.P.E. hereby appoints the following deputationists Inspectors as Dy. Supdts. of Police in the C.B.I. in a temporary capacity with effect from the dates mentioned against their names, and until further orders :—

S. No.	Name	State from which on deputation	Date from which appointed as Dy Supdt. of Police
1	2	3	4
S/Shri			
1.	Om Parkash	Haryana	4-1-74 (A. N.)
2.	K. K. Sharma	Punjab	9-1-74 (F. N.)
3.	K. Satyanarayana	Andhra Pradesh	11-1-74 (AN.)

The 5th February 1974

No. PF/A-3/73-AD.V.—Shri A. Rajamohan, S.P., C.B.I., GOW, Madras relinquished charge of his office on the forenoon of the 16th January, 1974 and assumed charge of office as S.P., C.B.I., SPE, EOW, Madras on the forenoon of the 16th January, 1974.

G. L. AGARWAL, Administrative Officer (E)
C.B.I.

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi-1, the 29th January 1974

No. 2/7/73-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri M. K. Vasudevan, a Selection Grade Officer of the C.S.S., as Commissioner for Departmental Enquiries in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 25th January, 1974, until further orders.

B. V. DIGHE, Under Secy. (Admn.)
for Central Vigilance Commissioner.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE A.G.C.R. NEW DELHI

New Delhi, the 5th February 1974

No. Admn.I/5-5/Promotion/70-74/2790.—The Accountant General Central Revenues has appointed Shri J. N. Chopra permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer in the revised scale of Rs. 840—1200, with effect from 25-1-74 AN until further orders.

H. S. DUGGAL, Sr. Dy. Accountant General (A)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 4th February 1974

No. Estt.A/IV/9-86/348.—The Accountant General, Kerala, is pleased to appoint the following permanent Section Officers (Audit & Accounts) to officiate as Accounts Officers with effect from the dates shown against each.

1. Shri N. Madhavan Nair—1-2-1974 Forenoon.
2. Shri C. C. Issac—4-2-1974 Forenoon
3. Shri K. P. Ramakurup—1-2-1974 Afternoon.
4. Shri R. Neelakantan Nair—1-2-1974 Afternoon.
5. Shri K. V. Mathai—2-2-1974 Afternoon.
6. Smt. I. Rajammal—4-2-1974 Forenoon.

K. GANESAN, Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR

SOUTH EASTERN RAILWAY

Calcutta-700043, the 5th February 1974

Shri S. V. P. V. Bhaskara Rao, a permanent member of the Subordinate Railway Audit Service in the Office of the Chief Auditor, South Eastern Railway, Calcutta has been promoted temporarily to officiate as an Audit Officer with effect from the 16th November 1973 (A.N.) until further orders.

H. S. SAMUEL, Chief Auditor.

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the 25th January 1974

No. 326B/2222(SKM)/19A.—Shri Swapan Kumar Mukhopadhyay is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 350/- per month in the scale of pay of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 30-11-1973, until further orders.

No. 333B/40/59/C/19A(P).—Shri Sailendra Nath Roy, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800/- on ad-hoc basis with effect from 10-12-1973 (F.N.) until further orders.

The 30th January 1974

No. 364B/2339(RPS)/19B.—The following Senior Technical Assistants (Geophysics), Geological Survey of India, are appointed as Assistant Geophysicists in the same Department on pay according to rules in temporary capacities in the scale of pay of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900/- with effect from the date shown against each, until further orders :—

Sl. No.	Name	Date of appointment
1.	Shri Rajendra Prasad Singh	2-11-1973 (FN)
2.	Shri Ashwani Kumar	12-11-1973 (FN)

No. 363B/2339(AB)/19B.—Shri Aloke Bagchi, M.SC., is appointed as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on initial pay of Rs. 350/- per month in the scale of pay of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 22nd November, 1973, until further orders.

M. K. ROY CHOWDHURY, Director General

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 5th February 1973

No. A.32013/4/73-EC.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Sharman, Senior Communication Officer to the grade of Assistant Director of Communication with effect from the 28th June, 1973 F.N. on an ad-hoc basis in the office of the Director General of Civil Aviation, New Delhi.

2. The President is also pleased to appoint Shri B. N. Sharman to the grade of Assistant Director of Communication with effect from 11th January, 1974 F.N. in an officiating capacity on a regular basis and until further orders in the office of the Director General of Civil Aviation, New Delhi.

M. G. THOMAS, Director of Admn.
for Director General of Civil Aviation

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-2
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 2nd February 1974

Ref. No. F. 820/73-74.—Whereas, I. A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under section 269D, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 3956/2 situated at Kesavaperumalpuram Colony, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore on 14-11-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (2) 1. Shri A. V. Raghavan;
2. Shri C. Kamalaratnam; and
3. Shri C. Krishnaswamy.

No. 53, IV Cross Street, Mandhavelipakkam, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site admeasuring 8428 Sq. ft. in Survey No. 3956/2 in Kesavaperumalpuram Colony.

A. RAGHAVENDRA RAO

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-2,
Madras-6.

(1) Shri A. Kanakammal, W o A. Appaswami, 134, Lloyds Road, Madras-14.

(Transferor)

Date : 2-2-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(2) For Re-Rolling Mills, Smt. Santara Kumari Jain.
W/o. Shri Nirmal Kumar Jain, Meherpur, Silchar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 4th February 1974

Ref. No. A-25 SLC 73-74/2443.—Whereas, I, N. Pachua, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (a) RS Patta No. 194 Dag No. 533/534/534/1397, (b) RS Patta No. 190 Dag No. 507, (c) RS Patta No. 197 Dag No. 514/515, (d) RS Patta No. 198 Dag No. 523/522 situated Ambicapur, Part-X, Silchar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on 18-5-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Pyari Singh, S/o Jageswar Singh, Meherpur, Silchar.

(Transferor)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the Objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Silchar-Hailakandi Road (about 5 Km. from Silchar Central point) in Mouza Ambicapur Part X, Pargana Barakpar, Silchar (Sadar) and bearing No. as under—

- (i) Under RS Patta No. 194 Dag No. 533/534/534/1397, 1 B 11 K 2 Ch.
- (ii) Under RS Patta No. 190 Dag No. 507, 0 B 18K 3 Ch.
- (iii) Under RS Patta No. 197 Dag No 514/515, 4B, 3K 12 Ch.
- (iv) Under RS Patta No. 198 Dag No. 523/522, 10B 8K 10 Ch.

Total 17B 1K 11 Ch.

N. PACHUAU

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date : 4-2-74

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II—2nd FLOOR,
HALDROOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 4th February 1974

Ref. No. 61 Acq. 23-51/4-6/73-74.—Whereas, I. P. N. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P.S. No. 1990/45 situated at Mehsana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mehsana on 8-8-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Rajnikant Narandas Patel; Shri Arunkumar Narandas Patel Partners of M/s. Patel Rajnikant Narandas & Bros., Mehsana.
(Transferor)

(2) Smt. Shandaben Babulal Shah, Krishna Nagar Society, Mehsana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P.S. No. 1990/45, Garage of Ramkrishna Roller Flour Mill at Mehsana. Total land area 3011 Sq. ft.

P. N. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 4-2-1974.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II—2nd FLOOR

HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 4th February 1974

Ref. No. 59/Acq. 23-59/6-2/73-74.—Whereas, I, P. N. Mittal,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Baroda Kasba No. 12—S. No. 984—112 situated at 45, Alkapuri, Baroda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 2-8-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Indian Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Dhanuben Sumanbhai Patel, Kodak House, 3rd floor, Dr. D. N. Road, Bombay-1.
(Transferor)(2) Smt. Ramagauri alias Rekhagauri Bhogilal Kothari, 45 Alkapuri, Race Course Road, Baroda.
(Transferee)(3) M/s. Gujarat Auto Gears Ltd., 45, Alkapuri, Race Course Road, Baroda.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 45, Survey No. 984-112, Alkapuri, Race Course Road Baroda—Land admeasuring 14157 Sq. ft. (with bungalow).

P. N. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 4-2-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II—2nd FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 4th February 1974

Ref. No. 60/Acq. 23-51/14-6/73-74.—Whereas, I, P. N. Mittal,

being the Competent authority under section 269-B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P.S. No. 1990/45 Census No. 4/578/10, 11, 12 situated at Mehsana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Mehsana on 8-8-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Rajukant Narandas Patel; Shri Arunkumar Narandas Patel Partners of M/s. Rajnikant Narandas & Brothers, Mehsana.

(Transferor)

- (2) Shri Babulal Manilal Shah, Shri Indravadan Jagjivandas Chokshi, (minor)—guardian Taramati Jagjivandas, Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P.S. No. 1990/45 Census No. 4/578/10, 11, 12—Two storeyed Building together with compound of Ramkrishna Roller & Flour Mill at Mehsana.
Total area 4748 Sq. ft.

P. N. MITTAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 4-2-1974.

Seal

FORM ITNS—

as karta of HUF, (3) Smt. Usha Sehgal Wd/o Sh. Satgun Nath Sehgal, (4) Sh. Sumer Nath Sehgal S/o Sh. Satgun Nath Sehgal (5) Sh. Sudhar Nath Sehgal S/o Sh. Satgun Nath Sehgal all r/o 124H Kalkaji, New Delhi, (6) Smt. Shabuan Khurana W/o Sh. Rabinder Parkash Khurana 111-E, Greater Kailash Part-II, New Delhi through registered Power of Attorney Sh. Harihar Nath Sehgal & (7) Sh. Harihar Nath Sehgal S/o Sh. Shyam Nath Sehgal, Swami Bagh, Agra.

(Transferor)

(2) M/s. Uttam Singh Duggal & Sons Private Ltd. III/3627, Mori Gate, through Shri Om Parkash, Managing Director.

(Transferee)

(3) M/s. R. S. Bhole Ram & Sons Pvt. Ltd. III/3627 Mori Gate, Delhi.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. III/3626-30, Mori Gate, Delhi constructed on a plot of land measuring 2075 sq. yds. and bounded as under :—

North—Property of Delhi Wakf Board

South—Indian Express Building

West—Road

East—Mandir Wali Gali.

D. B. LAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax.

Acquisition Range 1
Delhi/New Delhi.

Date : 7-2-1974.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1974

Ref. No. IAC/ACQ. I/SR-I/Aug. 1/330(143/73-74/7309

—Whereas, I, D. B. Lal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3626-3630 situated at Mori Gate Delhi Nagpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer Delhi on 14th August, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Smt. Prem Watti Wd/o Sh. Shyam Nath Sehgal, (2) Sh. Jagjiwan Nath Sehgal for self and

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASS'T. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1974

Ref. No. IACI Acq. Range-II/73-74.—Whereas, I. C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have a reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. W-61, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 30-8-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sudershan Kaur Wife of Shri Gursharan Singh Bhatia, R/o 120/905, Lajpat Nagar, Kanpur.
(Transferor)
- (2) Shri Ramesh Chandra Anand, S/o Shri Bodh Raj Anand, R/o 20, Lajpat Nagar, Jullundur City.
(Punjab).
(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold plot of land bearing No. 61 in Block No. 'W' admeasuring 53.5 sq. yards situated in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi-48, within the limits of Delhi Municipal Corporation in the Revenue Estate of village Yaoutpur in the Union Territory of Delhi & bounded as under :—

East—Plot No. 63
North—Road
West—Road
South—Service land

C. V. GUPTÉ

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 6th February 1974.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION

RANGE-II,

New Delhi, the 6th February 1974

Ref. No. IAC/Acq. Range-II/73-74.—Whereas, I, C. V. Gupta,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. M/8-A situated at Greater Kailash Colony, New Delhi (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer,

at Delhi on 13-8-1973, for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Lal Dang, S/o Shri Sawan Mal, R/o M/8-A, Greater Kailash-I, New Delhi-48

(Transferor)

(2) Shri Satyendra Pal Tyagi, S/o Shri Magaraj Tyagi & (2) Smt. Vimla Rani Tyagi, w/o Shri Satyendra Pal Tyagi, R/o C-54, Maharani Bagh, New Delhi. Now M/8-A, Greater Kailash-I, New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1½ storeyed built building on a free-hold plot of land No. M/8, measuring 500 sq. yds, situated in the residential colony known as Greater Kailash-I, New Delhi & is bounded as under :—

East—Plot No. M-10

West—Plot No. M-8

North—Service Road

South—Road.

C. V. GUPTA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 6th February 1974.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
NEW DELHI.(2) Shri Jagdish Chopra, S/o Shri R. A. Chopra, R/o
E486, Greater Kailash-II, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 6th February 1974

Ref. No. IAC/Acq. Range-II/73-74.—Whereas I, C. V.
Gupte,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearingNo. W/48A situated at Greater Kailash-II, New Delhi
and more fully described in
the Schedule annexed hereto), has been transferred as per
deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on 29-8-1973,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in
respect of any income arising from the trans-
fer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the
Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).And whereas the reasons for initiating proceedings
for the acquisition of the aforesaid property in terms
of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) have been recorded by me,Now, therefore, in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons,
namely :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.It is hereby notified that a date and place for hear-
ing the objections, if any, made in response to this
notice against the acquisition of the immovable prop-
erty will be fixed, and notice thereof shall be given
to every person who has made such objection, and the trans-
feree of the property.It is hereby further notified that every person to
whom notice is given under the preceding paragraph
shall have a right to be heard at the hearing of the
objections.EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land being plot No. 48A measuring
100 sq. yds. in the residential colony known as Greater
Kailash-II New Delhi situated at village Bhahapur in the
Union Territory of Delhi bounded as under :—East—Service Lane
West—Road
North—Plot No. W/46
South—Plot No. W/48

C. V. GUPTA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Date : 6th February 1974.

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1974

Ref. No. IAC/Acq. Range-II/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khasra No. 82/1 situated in approved colony Bhagwan Dass Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 20-8-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Sidarth Chaudhry, 2. Shri Ajay Chaudhry, sons of Ch. Brahm Parkash, R/o G7, Nizamuddin West, New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Capital Land Builders (P.) Ltd. Patudi House, Darya Ganj, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Petrol Pump site land measuring 2621 sq. yards (2) Bighas + 12 Biswas) 2/3rd share of petrol pump site which falls in Khasra No. 82/1, min situated in an approved colony known as Bhagwan Das Nagar, area of Village Shakurpur, Delhi State, Delhi.

C. V. GUPTE

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range II

Delhi/New Delhi.

Date : 6th February 1974.

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1974

Ref. No. IAC-ACQ. I/SRI/AUG. I/360(118)/73-74/7303.
—Whereas I, D. B. Lal,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 10 DLF, Industrial Area situated at Najafgarh Road,
New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of
the Registering Officer at Delhi on 8-8-1973 for an
apparent consideration which is less than the fair market value
of the aforesaid property and I have reason to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the transferor(s) and
the transferee(s) has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)
or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded
by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid prop-
erty by the issue of this notice under sub-section (1) of
section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to
the following persons, namely :—

- (1) (i) Sh. Gian Singh Kalsi S/o Sh. Harnam Singh
Kalsi 82-D, Malcha Marg, Diplomatic En-
clave, New Delhi.

(ii) Smt. Jaswant Kaur W/o Sh. Gian Singh Kalsi,
82-D Malcha Marg, Diplomatic Enclave, New
Delhi.

(iii) Sh. Kamaljit Singh Kalsi S/o Sh. Gian Singh
Kalsi, 12 Grand Prade, Wembley Park, London
(U.K.) through his general attorney S. Mambir
Singh, Advocate, 1, Pusa Road, Karol Bagh,
New Delhi.

(iv) Sh. Jaspal Singh Kalsi S/o Gian Singh Kalsi,
D-82, Malcha Marg, New Delhi through his
general attorney S. Mambir Singh, Advocate,
1, Pusa Road, New Delhi.

(v) Sh. Pagdish Singh Kalsi S/o Sh. Gian Singh
Kalsi, D-82 Malcha Marg Diplomatic Enclave,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Kapoor Air Products (P.) Ltd. 18/78, Punjabi
Bagh, New Delhi through their Director Shri B. K.
Kapoor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-
movable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the
objections, if any, made in response to this notice against the
acquisition of the immovable property will be fixed, and notice
thereof shall be given to every person who has made such
objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom
notice is given under the preceding paragraph shall have a
right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold plot of land bearing No. 10, D.L.F. measuring
2228 Sq. yds. situated in D.L.F. Industrial Area, Najafgarh
Road, New Delhi, area of the village Bassai Darapur, Delhi
State, Delhi.

D. B. LAL

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi.

Date : 6th February 1974.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Brahma Nand S/o Sh. Bishember Dayal, 21/18, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1974

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold plot No. B-21, measuring 200 sq. yds. situated at C.C. Colony, opposite Rana Partap Bagh, Delhi and bounded as under :—

North—Road 45 ft.

South—Service Lane

West—Plot No. B/20

East—Plot No. B/22.

D. B. LAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range I

Delhi/New Delhi.

Ref. No. IAC/Acq. I/SRI/Oct. II/587(37)/73-74/7302 —
Whereas I. D. B. Lal

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B/21 situated at C. C. Colony Opp. R. P. Bagh, Delhi (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 27-10-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Dharam Vir S/o Sh. Sukh Lal 58 Prem Nagar, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

Date : 6th February 1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE CHANDIGARH

156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 29th January 1974

Ref. No. SRS/1278/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B

of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land, situated at Ellanabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in August, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to exceed; the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-

perty by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Bahadur, 2. Shri Bhaga Ram, sons of Shri Shera Ram Residents of Ellanabad, Tehsil Sirsa.
(Transferor)
- (2) The Principal Officer, M/s. Seth Suraj Mal Cotton Ginning Mills Private Ltd; Ellanabad, Tehsil Sirsa.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned. —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land sq. killa	Nos.	302/9/2		4/2	
		2/1		1/2	
		0-13		1-5	
10/2	11	12/1	20/2	Total	24-0
5-13	7-18	4-12	3-19		

situated at Ellanabad, Tehsil Sirsa.

(Property as mentioned in the registered deed No. 2540 of August, 1973 of the Registering Officer, Sirsa).

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 29-1-1974.

Seal:

FORM ITNS

(2) Miss Ranbir Kaur, d/o Shri Raghbir Singh, 108, The Mall, Ambala Cantt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 4th February 1974

Ref. No. CHD 133/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 51-P, Sec. 22-A, H. No. 788, situated at Chandigarh, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh in August, 1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) 1. Shri Jagjit Singh Moti, S/o Shri Kartar Singh Modi, 2. Smt. Surinder Kaur, w/o Shri Jagjit Singh, Residents of No. 8, sector 21-A, Chandigarh,

(Transferor)

(3) (1) Shri Maj. Bachan Singh (Retired),

(2) Shri Prem Pal Pandit, Advocate,

(3) Shri D. S. Bali, Advocate,

H. No. 788, Sector 22-A, Chandigarh.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to the notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 51-P, Sector 22-A, House No. 788 Chandigarh.

G. P. SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 4-2-1974.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Madan Lal, s/o Shri Dalla Ram, 3/18, old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 29th January 1974

Ref. No. BGR/1356/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Bunglow No. B-I, NH 5, NIT, situated at Faridabad, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Ballabgarh in August, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (1) Smt. Balbir Kaur, w/o G. S. Duggal, B-I, N.H. No. 5, NIT, Faridabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow No. B-I, NH No. 5, NIT, Faridabad.

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 29-1-1974.

Seal :

FORM ITNS—

Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Vidya Sagar Kapur, H. No. 2391, Sector 22-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Kuldip Singh, Village Alachaur District Jullundur.

(Transferee)

*(3) (1) Dr. Pawan Kumar Gupta,

(2) Shri M. K. Bansal,

House No. 2391, Sector 22-C, Chandigarh.

(Person(s) in occupation of the property).

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2391-2392, Sector 22-C, Chandigarh.

G. P. SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 4-2-1974.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 4th February 1974

Ref. No. CHD/1371/73-74.—Whereas, I G. P. Singh Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 2391-2392, Sector 22-C, situated at Chandigarh.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandigarh in August, 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 29th January 1974

Ref. No. BGR/1400/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Building on plot No. 21, Bata Road, NIT situated at Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in August 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice

under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Smt. Sheela Sundra (Sheela Merut), w/o Col. J. P. Merut, Resident of D-4/18, Basant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) J. Shdi Krishan Lal, 2. Shri Sundar Lal, sons of Shri Ram Lal, Residents of I-G-22, Township Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building on Plot No. 21, Bata Road, NIT, Faridabad. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 272 of August, 1973 of the Registering Officer, Ballabgarh).

G. P. SINGH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 29-1-1974.
Seal :

FORM ITNS-----

(2) Shri Sohan Lal Mohan, s/o Shri Amar Nath Mehta,
House No. 40, Sector 27-A, Chandigarh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 7th February 1974

Ref. No. CHD/1378/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 26, Sector 3-A, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandigarh in August, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Naginder Singh Dhillon s/o Shri Kartar Singh,
Kothi No. 26, Sector 3-A, Chandigarh.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 26 Sector 3-A, Chandigarh.

G. P. SINGH

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 7-2-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 7th February 1974

Ref. No. CHD/1335/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 79, Sector 16-A, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1) Smt. Kanta Mehra, w/o Shri M. L. Mehra, resident of Anand Building, Tumbala Cantt. (Transferor)

(2) (1) Shri Jagat Singh, s/o Shri Vikram Singh, (2) Shri Balihar Singh, s/o Shri Jagat Singh, residents of V. & P.O. Kot Grewal, Tehsil Phillaur, District Jullundur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. 79, sector 16-A, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 7-2-1974.

Seal :

FORM ITNS—

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-2
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 2nd February 1974

Ref. No. F. 751/73-74.—Whereas, I. A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 4L situated at Cenotaph Road I Street, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Mylapore on 14-9-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

7—456GI/73

(1) Shri R. Nadarajah, No. 7, 4th Cross Street R. K. Nagar, Madavalli, Madras.

(Transferor)

(2) Shri R. Ranganathan No. 5, Cenotaph Road, 1st Cross St., Teynampet, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of this 45 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 3 Grounds & 292 Sq. ft. being part of Plot No. 4 and being part of T.S. No. 3841/2 in the registration Sub District of Mylapore.

A. RAGHAVENDRA RAO

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date : 2-2-1974.

Seal

*Strike off where not applicable.

OFFICE OF THE ENG NEER-IN-CHIEF
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT
New Delhi, the 6th February 1974

No. 1/93/69-Admn.IV.—The President is pleased to appoint Shri B. S. Godbole, a permanent Architect in the C.P.W.D., to officiate as Senior Architect in the same Department in the scale of Rs. 1300—60—1600—100—1800 on an adhoc basis with effect from 11-1-1974 (A.N.).

B. P. PATHAK, Dy. Director of Admn.

INTEGRAL COACH FACTORY
Madras-38, the 30th January 1974

No. PB/GG/9/Misc/II.—The promotion of Sri G. S. VITTAL RAO, Officiating Deputy Chief Mechanical Engineer (J.A.) to I.A. grade as SUPERINTENDENT Mechanical (Workshops)/Designs for the period from 11-7-73 to 29-8-73 referred to at Sl. No. 2 of Notification sent under this office endorsement of even number dated 15-9-73 has been cancelled. During the above period the I.A. grade post of Superintendent Mechanical (Workshops)/Designs has been operated in J.A. grade and Sri G. S. VITTAL RAO has been posted as Officiating Deputy Chief Mechanical Engineer/Designs (J.A.) against the post of Superintendent Mechanical (Workshops)/Designs.

Shri G. RAJU, Assistant Accounts Officer/CAS (Class II) has been promoted to officiate in Senior Scale on adhoc basis as Senior Accounts Officer with effect from 13-12-73 against the post of Assistant Accounts Officer/CAS upgraded to Senior Scale in terms of Board's letter No. 73E(GC) 12-21 of 6-12-1973.

Shri I. G. SRINIVASAN, Officiating Assistant Accounts Officer/CBS (Class II) ad hoc has been reverted to Class III service with effect from 22-12-73 AN.

C. M. GOVINDARAJULU
Senior Personnel Officer
For GENERAL MANAGER

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
IN THE MATTER OF COMPANIES ACT, 1956
AND
MADHUSUDAN CHEMICAL INDUSTRIES LIMITED
Cuttack, the 2nd February 1974

No. L.335/74.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that an order for winding up of the above named Company was made by the Hon'ble High Court of Orissa on 30-11-73 in Company Act Case No. 8 of 1971 and that the Official Liquidator attached to the Hon'ble High Court of Orissa has been appointed as the Official Liquidator of the Company.

IN THE MATTER OF COMPANIES ACT, 1956
AND
CHILKA CASHEW MANUFACTURING WORKS LTD.
Cuttack, the 2nd February 1974

No. L.358/74.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that an order for winding up of the above named Company was made by the Hon'ble High Court of Orissa on 30-11-73 in Company Act Case No. 10 of 1972 and that the Official Liquidator attached to the Hon'ble High Court of Orissa has been appointed as the Official Liquidator of the Company.

IN THE MATTER OF COMPANIES ACT, 1956
AND
KALINGA STEEL & WIRE PRODUCTS LTD.
Cuttack, the 6th February 1974

No. L.362/74.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that an order for winding up of the above named Company was made by the Hon'ble High Court of Orissa on 9-1-74 in Company Act Case No. 3 of 1973 and that the Official Liquidator attached to the Hon'ble High Court of Orissa has been appointed as the Official Liquidator of the Company.

IN THE MATTER OF COMPANIES ACT, 1956
AND
HANSANATH CERAM.C INDUSTRIES LTD.
Cuttack, the 6th February 1974

No. L.361/74.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that an order for winding up of the above named company was made by the Hon'ble High Court of Orissa on 9-1-74 in the Company Act Case No. 2 of 1973 and that the Official Liquidator attached to the Hon'ble High Court of Orissa has been appointed as the Official Liquidator of the Company.

S. N. GUHA
Registrar of Companies, Orissa.

IN THE MATTER OF THE COMPANIES ACT, 1956
AND
OF BANGE-DARA PUBLICATIONS LIMITED.
Trivandrum, the 4th February 1974

No. 2344/Liq/2375/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Bange-Dara Publications Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

K. K. SYED MUHAMMAD,
Registrar of Companies, Kerala.

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
ADVERTISEMENT NO. 7

Applications are invited for undermentioned posts. Age as on 1-11-1974 must be within the prescribed age limits but is relaxable for Government servants except where otherwise specified. Upper age limit relaxable upto 45 years for certain categories of displaced persons from erstwhile East Pakistan, repatriates from Burma and Sri Lanka and for persons who migrated from East African countries of Kenya, Uganda and United Republic of Tanzania. Upper age limit relaxable by 5 years for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates. No relaxation for others save in exceptional circumstances and in no case beyond a limit of three years. Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified. Higher initial pay may be granted to specially qualified and experienced candidates except where otherwise specified.

Particulars and application forms obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. Requests for forms must specify name of post, Advertisement number and item number and should be accompanied by self-addressed unstamped envelopes for each post at least of size 23×10 cms., indicating thereon name of post for which forms are required. Commission may remit fee in the case of genuinely indigent and bona-fide displaced persons from erstwhile East Pakistan who migrated on or after 1-1-1964 but before 25-3-1971 and to repatriates from Burma and Sri Lanka who migrated on or after 1st June, 1963 and 1st November, 1964 respectively. Separate application with separate fee required for each post. Candidates abroad may apply on plain paper if forms are not available and deposit fee with local Indian Embassy. If required, candidates must appear for personal interview. Closing date for receipt of applications with crossed INDIAN POSTAL ORDER for Rs. 8.00 (Rs. 2.00 for Scheduled Castes and Scheduled Tribes) 18th March, 1974 (2nd April, 1974 for applicants from abroad and for those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). Treasury receipts not acceptable.

Post at S. No. 13 permanent. Posts at S. No. 1, 11, 16 and 18 permanent but appointment on temporary basis. Posts at S. No. 14 temporary but likely to be made permanent. Posts at S. Nos. 2 to 10, 15, 17, 19 and 20 temporary but likely to continue indefinitely. Posts at S. Nos. 12 temporary but likely to continue.

2 posts at S. No. 12 and 4 posts at S. No. 14 reserved for Scheduled Castes candidates. 2 posts at S. No. 14 and one post at S. No. 17 reserved for Scheduled Tribes candidates. Post at S. No. 15 reserved for Scheduled Castes candidates, if available; otherwise to be treated as unreserved if suitable Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidate is not available. Posts at S. Nos. 3 and 5 reserved for Scheduled Castes candidates, who alone need apply. Post

at S. No. 6 reserved for Scheduled Tribes candidates, who alone need apply.

6 posts at S. No. 14, one post each at S. Nos. 17 and 19 reserved for Emergency Commissioned Officer/Short Service Commissioned Officers who were commissioned in the Armed Forces on or after 1-11-62 but before 10-1-68 or who had joined any pre-Commission training before the latter date, were commissioned after that date and are released/invalided owing to disability attributable to Military Service/due to be released if available; otherwise to be treated as unreserved.

1. *One Professor in Training and Placement, Delhi College of Engineering, Delhi Administration, Delhi.*—Pay: Rs. 1100—50—1300—60—1600. Age Limit: 45 years. Qualifications Essential: (i) At least Second Class Degree in Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) At least 10 years' experience in professional work/research/teaching, of which at least 5 years should be in an organised industry of standing.

2. *One Deputy Director of Training (Instrumentation) under the Directorate General of Employment and Training Ministry of Labour.*—Pay: Rs. 1100—50—1400. Age Limit: 45 years. Qualifications: Essential: (i) Degree in Instrumentation Engineering or Technology or Master's Degree in Applied Physics with Instrumentation as a special subject of a recognised University or equivalent. (ii) About 7 years' experience subsequent to graduation in a supervisory capacity in a workshop or factory or concern of repute engaged in production, including teaching experience in a recognised technical institution. (iii) Administrative experience. (iv) Working knowledge of Engineering and Building trades preferably of Cottage and/or Small Scale Industries.

3. *One Deputy Director of Training (Industrial Electronics) under the Directorate General of Employment and Training, Ministry of Labour.*—Pay: Rs. 1100—50—1400. Age Limit: 50 years. Qualifications: Essential: (i) Degree in Telecommunication/Electrical Communications/ Electronics Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About 7 years' experience subsequent to graduation in a supervisory capacity in a workshop or factory or concern of repute engaged in production, including teaching experience in a recognised technical institution. (iii) Administrative experience. (iv) Working knowledge of Engineering and Building trades preferably of Cottage and/or Small Scale Industries.

4. *One Assistant Professor in Civil Engineering (Structures), Delhi College of Engineering, Delhi, Delhi Administration Delhi.*—Pay: Rs. 700—50—1250. Age Limit: 40 years. Qualifications: Essential: (i) At least Second Class Degree in Civil Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) Post-graduate degree in Civil Engineering from a recognised University or equivalent with specialisation in Structures. (iii) At least 5 years experience for Master's degree holders; (3 years for Doctorate Degree holders) in research/professional work/teaching at degree level.

5. *One Assistant Director of Training Directorate General of Employment and Training, Ministry of Labour and Rehabilitation.*—Pay: Rs. 700—40—1100—50/2—1150. Age Limit: 40 years. Qualifications: Essential: (i) A Degree in Metallurgy of a recognised University or equivalent. (ii) About 5 years' experience after graduation in a supervisory capacity in a workshop or concern of repute engaged in production or in teaching in a recognised technical institution.

6. *One Assistant Director of Training, Directorate General of Employment and Training, Ministry of Labour and Rehabilitation.*—Pay: Rs. 700—40—1100—50/2—1150. Age Limit: 40 years. Qualifications: Essential: (i) A Degree in Agricultural Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About 5 years' experience after graduation in a supervisory capacity in a workshop or factory or concern of repute engaged in production or in teaching in a recognised technical institution. (iii) Administrative experience.

7. *One Assistant Director of Training, Directorate General of Employment and Training, Ministry of Labour and Rehabilitation.*—Pay: Rs. 700—40—1100—50/2—1150. Age Limit: 40 years. Qualifications: Essential: (i) A Degree in Automobile Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About 5 years' experience after graduation in

a supervisory capacity in a workshop or factory or concern of repute engaged in production or in teaching in a recognised technical institution. (iii) Administrative experience.

8. *One Assistant Director of Training, Directorate General of Employment and Training, Ministry of Employment and Rehabilitation.*—Pay: Rs. 700—40—1100—50/2—1150. Age Limit: 40 years. Qualifications: Essential: (i) A Degree in Chemical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About 5 years' experience after graduation in a supervisory capacity in a workshop or factory or concern of repute engaged in production or in teaching in a recognised institution. (iii) Administrative experience.

9. *One Senior Scientific Officer, Grade II for Chief Resident Engineering (RTO), Bangalore, Research and Development Organisation, Ministry of Defence.*—Pay: Rs. 400—40—800—50—950. Age: Preferably below 30 years. Qualifications: Essential: (i) At least Second Class Degree in Electrical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About two years' experience in Design and Development of Electrical instruments, Pressurisation, Cabin conditioning System installation aircraft.

10. *One Technical Officer (Instrumentation), Directorate General of Employment and Training, Department of Labour and Employment, Ministry of Labour.*—Pay: Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age Limit: 35 years. Qualifications: Essential: (i) Degree in Instrumentation Engineering or Technology or Master's Degree in Applied Physics from a recognised University or equivalent. (ii) About one year's experience in Instrumentation subsequent to graduation.

11. *One Associate Professor of Biochemistry & Nutrition All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, Ministry of Health & Family Planning (Department of Health).*—Pay: Rs. 1100—50—1400. Age Limit: 45 years. Qualifications: Essential: (i) M.Sc. degree in Biochemistry/ Nutrition of a recognised University or equivalent. (ii) 7 years' experience in teaching and research in the field of Biochemistry and Nutrition in a Medical College or post-graduate education and/or research Institution.

12. *Five Deputy Directors (Storage & Research) Ministry of Agriculture (Department of Food).*—Pay: Rs. 700—50—1250. Age Limit: 45 years. Qualifications: Essential: (i) Master's degree in Agriculture or Master's degree in Chemistry or Zoology or Botany of a recognised University or equivalent. (ii) About 5 years' experience in Storage of food-grains, maintenance of stocks or in the examination, inspection or analysis of foodgrains in Government Departments or commercial houses of repute. OR (i) Degree in Agriculture or Degree in Science with Chemistry or Biology or Zoology or Botany as subject of a recognised University or equivalent. (ii) About 7 years experience in Storage of foodgrains maintenance of Stocks or in the examination, inspection and analysis of foodgrains in Government Departments or commercial houses of repute.

13. *One Biochemist, Hindu Rao Hospital, Municipal Corporation of Delhi.*—Pay: Rs. 450—30—660—EB—40—1100—50—1250. Age Limit: 35 years. Relaxable for Government servants and Employees of the Municipal Corporation of Delhi. Qualifications: Essential: (i) At least Second Class Master's Degree in Bio-Chemistry of a recognised University or equivalent. (ii) About 5 years' experience in Clinical Bio-Chemistry in a Medical College or Hospital. OR (i) A Doctorate degree in Bio-Chemistry/Physiology including Bio-Chemistry. (ii) About 3 years' experience in Clinical Bio-Chemistry in a Medical College or Hospital.

14. *Twelve Meteorologists (Grade II), India Meteorological Department, Ministry of Tourism & Civil Aviation.*—Pay: Rs. 400—40—800—50—950. Age Limit: 35 years. Qualifications: Essential: For 5 posts: Second Class M.Sc. degree in any of the following subjects, or equivalent:—Meteorology, Physics, Statistics, Mathematics, Applied Physics and Geophysics (Candidates with Geophysics should have specialised in one of the following subjects:—Meteorology, Oceanography, Hydrology, Geomagnetism and Seismology). For 7 posts:—Second Class M.Sc. Degree in Physics with specialisation in Radio Physics or Electronics or Telecommunications or Second Class Degree in Engineering (Telecommuni-

cations) or equivalent qualifications. (ii) About 2 years' research experience, as evidenced by published papers in any of the subjects or fields mentioned above. (For all posts).

15. *One Junior Scientific Officer (Biology), Central Forensic Science Laboratory, Central Bureau of Investigation.*—Pay: Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Age Limit: 30 years. Qualifications: Essential: (i) M.Sc. or its equivalent Degree in Botany, Zoology, Anthropology or Biochemistry of a recognised University or equivalent. (ii) About three years' analytical and research experience in Zoology, Botany, Anthropology or Biochemistry.

16. *One Anaesthetist, Central Hospital, Dhanbad under the Coal Mines Labour Welfare Fund Organisation, Department of Health, Ministry of Health & Family Planning, Specialists' Grade of the Central Health Service, Class I.*—Pay: Rs. 600—40—1000—EB—50—1300 plus N.P.A. @ 50% of pay subject to a maximum of Rs. 600/- p.m. Age Limit: 45 years. Qualifications: Essential: (i) A recognised medical qualification included in the First or the Second Schedule or Part II of the Third Schedule (other than licentiate qualifications) to the Indian Medical Council Act, 1956. Holders of educational qualifications included in Part II of the Third Schedule should also fulfil the conditions stipulated in Section 13(3) of the Indian Medical Council Act, 1956. (ii) Post-graduate qualification in Anaesthesiology e.g. F.F.A.R.C.S., M.D./M.Sc. (with Anaesthesiology as special subject) or D.A.R.C.P. & S. (England); D.A. or equivalent. (iii) At least three years' work in a responsible position connected with the speciality for post-graduate degree holders or at least 5 years' work in a responsible position connected with the speciality for post-graduate diploma holders.

17. *Two Physicians, Ministry of Health and Family Planning (Department of Health). Posts Likely to be included in the Specialists' Grade of Central Health Service, Class I.* Pay: Rs. 600—40—1000—EB—50—1300 plus N.P.A. @ 50% of pay subject to a maximum of Rs. 600/- p.m. Age Limit: 45 years. Qualifications: Essential: (i) Same as (i) in item 16 above. (ii) Post-graduate qualification in Medicine e.g. M.D., M.R.C.P., Ph.D. (Medical), M.Sc. (Medical), M.Sc. (Medicine) (Nagpur) or L.Med. (Dublin) or equivalent qualifications. (iii) At least 3 years' work in a responsible position in medicine for post graduate degree holders and at least 5 years' work in a responsible position in Medicine for post-graduate diploma holders.

18. *One Radiologist, Central Hospital, Kalla, Asansol under the Coal Mines Labour Welfare Fund Organisation, Ministry of Health & Family Planning (Department of Health). Post Likely to be included in the Specialists' Grade of the Central Health Service, Class I.*—Pay: Rs. 600—40—1000—EB—50

—1300 plus N.P.A. @ 50% of pay subject to a maximum of Rs. 600/- p.m. Age Limit: 45 years. Qualifications: Essential: (i) Same as (i) in item 16 above. (ii) Post-graduate qualification in Radiology e.g. M.D. (Radiology) or M.D./M.R.C.P. with Radiology as a special subject, DMRT (2 years course), IMRE (2 years' course) or equivalent; DMRE (One year course) D.M.R. & T. (One year course), D.M.R.D. (One year course) or equivalent. (iii) At least 3 years' work in a responsible position connected with the speciality in case of postgraduate degree holders and at least 5 years' work in a responsible position connected with the speciality in case of post-graduate diploma holders.

19. *Three Junior Pathologists for Central Government Health Scheme, Kanpur and Meerut and Jipmer, Pondicherry, Ministry of Health & Family Planning (Department of Health). General Duty Officer Grade 1 of Central Health Service, Class I.*—Pay: Rs. 450—30—660—EB—40—1100—50—1250 plus N.P.A. @ 50% of pay subject to a maximum of Rs. 600/- p.m. (Two advance increments for post-graduate diploma holders and four advance increments to post-graduate degree holders). AGE LIMIT: 35 years. QUALIFICATIONS: ESSENTIAL: (i) Same as (i) in item 16 above. (ii) Post-graduate qualifications in Pathology, e.g. M.D. (Path., M.D. (Path. & Bact.), M.Sc. (Path.), M.Sc. (Path. & Bact.), Ph.D. (Path. & Bact.), D.Sc. (Path. & Bact.), D.C.P., D.P.B., or equivalent. (iii) Five years' experience after registration as a Medical graduate.

20. *One Head of the Department of T.V. Production, Training Centre of Film and T.V. Institute of India, Poona, Ministry of Information and Broadcasting.*—Pay: Rs. 1100—50—1400. Age Limit: 45 years. Qualifications: Essential: (i) Diploma from Film and Television Institute of India in Direction/Production/Screen Play Writing or Certificate of completion of T.V. Course of T.V. Training Centre of Film and Television Institute of India or Degree from a recognised University or equivalent. (ii) At least 7 years experience in T.V. or Radio or Film Production of which at least one year should have been spent in T.V.

CORRIGENDUM

Assistant Commissioner (Fisheries Planning) Ministry of Agriculture (Department of Agriculture).—Reference item 4 of the Commission's Advertisement No. 52 published on 29-12-1973. It is notified for general information that in case no suitable Scheduled Caste candidate is available, the post will be treated as unreserved. Other conditions remain unchanged. Closing date for receipt of application, extended to 18-3-74 (2-4-74 for applicants from abroad and for those in the Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep). Those who have already applied in response to the Commission's earlier advertisement need not apply again.

A. C. BANDYOPADHYAY, Secy.
Union Public Service Commission.